GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
DEPARTMENTAL PLAN EXECUTION REPORT
HINDI
SESSION-2023-2024

प्रेमचंद जयंती

आज दिनांक 31/07/23 को गुरु नानक कॉलेज,धनबाद के हिंदी विभाग द्वारा 'प्रेमचंद जयंती' का आयोजन,रूसा सभागार, विषय- **'कथा सम्राट प्रेमचंद का व्यक्तित्व : प्रेमचंद घर में के विशेष संदर्भ में'** किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने प्रेमचंद जी की छायाप्रति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करके किया। अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य महोदय ने कहा कि प्रेमचंद जी मनोरंजन के लिए नहीं लिख रहें थे। वे मनोरंजन की लीक से हटकर देश की जो परिस्थिति थी,उसका वास्तविक चित्रण किया है। यर्थाथ और आदर्श के सम्मिश्रण की ताजी महक उनकी बुनावट है। प्रो.इन चार्ज (भूदा परिसर) प्रो. अमरजीत सिंह ने कहा कि सामंतवादी और वर्चस्ववादी नीतियाँ आज भी प्रासंगिक हैं। इस प्रकार प्रेमचंद की कहानियाँ, उपन्यास, उनके पात्र आज की विकट परिस्थितियों से जूझने का मार्ग दिखाते हैं। तत्पश्चात अदिति और रजनीकांत ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। प्रेमचंद की विरासत को उनकी पत्नी शिवरानी देवी द्वारा लिखित पुस्तक 'प्रेमचंद घर में' का पी.पी.टी. के माध्यम से छात्र-छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया। साथ ही **'नमक का दारोगा'** शीर्षक कहानी का (दूरदर्शन चैनल द्वारा संचालित) दृश्यांकन भी हुआ। कार्यक्रम में वाणिज्य-विभाग के अध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार, प्रो. डॉ. मीना मलखंडी,प्रो. दीपक कुमार, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो.साधना सिंह, प्रो. अभिषेक सिन्हा,प्रो. अर्णब सरखेल,प्रो. सिमरन श्रीवास्तव,प्रो.विनीता श्रीवास्तव,प्रो. घनिष्ठा वर्मा,प्रो. प्रतिमा कुमारी आदि उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में तकनीकी सहयोगी के रुप में प्रो. चिरंजीत अधिकारी और श्री नरेंद्र सिंह की भूमिका रही।

कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक छात्रों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन प्रो. सोनू प्रसाद यादव, अध्यक्ष, हिंदी विभाग के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

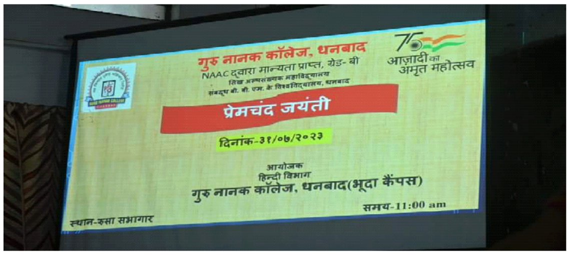

दैनिक भास्कर धनबाद 01-08-2023

जयंती पर याद किए गए मुंशी प्रेमचंद, भारत रत्न की मांग

धनबाद | कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती वृंदावन कॉलोनी में सामाजिक साहित्यिक जागरूकता मंच ने मनाई। सबने उनकी मांग सरस्वती व मुंशीजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। मौजूद साहित्यकारों ने मुंशी प्रेमचंद को भारत रत्न से विभूषित करने की मांग उठाई। मुख्य अतिथि विधायक राज सिन्हा ने कहा कि वे इसके लिए विधानसभा में मांग करेंगे व केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे। संस्था के संस्थापक संजय सिंह चंदन ने सभी आगतों का स्वागत किया। साहित्यकार प्रियदर्शिनी पुष्पा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार मनमोहन पाठक, सिंदरी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. राम अवतार सिंह, डॉ. अरविंद अंशुमान, रत्ना वर्मा "राज", पत्रकार उमेश तिवारी, प्रमिला, तिवारी जी, समाजसेवी जीतन गोप आदि भी मौजूद थे। डॉ. कविता विकाश, डॉ. संगीता नाथ, प्रीति बाला कर्ण, शालिनी झा, पांडेय सरिता, कृष्ण देव यादव, रंजन श्रीवास्तव, संतोष ओझा 'प्रभाकर', बरनवाल मनोज आदि ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। संजय सिंह चंदन व डॉ. शैलेश कुमार सिंह के काव्य संग्रह "मेरे राम" का विमोचन और लोकार्पण भी किया गया। बीबीएमकेयू, एसएसएलएनटी कॉलेज, गुरुनानक कॉलेज में भी मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनकी कालजयी कृतियों पर चर्चा की गई।

हिंदी दिवस-2023 का आयोजन बड़े ही धूम- धाम से मनाया गया।

हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक १४/०९/ २०२३ को गुरुनानक कॉलेज के हिंदी-विभाग द्वारा भूदा परिसर के 'एस. जे. एस. ग्रेवाल' प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद के संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल राज-काज की भाषा बन कर केवल भारत तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी, साहित्य से ऊपर उठकर नये- नये रोजगार का द्वार खोल रही है। फादर कामिल बुल्के का उदाहरण देते हुए उन्होंने हिंदी-भाषा की वैभवशाली विरासत की जीवंत रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद ने स्वागत-भाषण से किया। विभागीय छात्रा अंकिता कुमारी ने 'गणेश वंदना' की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात हिंदी विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र' द्वारा विरचित प्रहसन 'अँधेर नगरी' का शानदार मंचन किया गया। रजनीकांत ने तुलसीदास द्वारा रचित अवधी भजन की प्रस्तुति की। रोहित ने बांगला गीत 'आमाय प्रॉश्न कोरे नील ध्रुवतारा' की प्रस्तुति दी। अमन ने कविता पाठ कर समां बाँधा। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

कार्यक्रम का संचालन रक्षिता सिंह ने किया।

श्रीति, प्रभाकरन, रिंकी, पूजा, अंजू, पूनम, अंजली, रोहित, अंकिता, वर्षा, रिया, खुशी, सूफी, मेहनूर, कोमल, संध्या, सपना, अन्नपूर्णा, संदीप, तन्नू, मुस्कान, रेहानुल, छवि, फलक, भावना, रौशनी, शिवानी और कार्यक्रम में प्रो. इन चार्ज - प्रो. अमरजीत सिंह(भूदा कैंपस), प्रो. दीपक कुमार, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. साधना,प्रो. डॉ. वर्षा सिंह, प्रो. पीयूष,प्रो.

सरिता मधेसिया, प्रो. करूणा, प्रो. किरण, प्रो. एकता श्रीवास्तव, प्रो. ब्यूटी भट्टाचार्य, प्रो.विशेश्वरी, सुश्री मनीषा, सुश्री नुश्रत, श्री मुकेश महतो, अन्य शिक्षकेत्तर कर्मियों की उपस्थिति रही।

गुरुनानक कॉलेज धनबाद में हिंदी दिवस का आयोजन बड़े ही धूम- धाम से मनाया गया

सिंदरी :हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को गुरुनानक कॉलेज के हिंदी -विभाग द्वारा भूदा परिसर के 'एस. जे. एस. ग्रेवाल' प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद के संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल राज-काज की भाषा बन कर केवल भारत तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी, साहित्य से ऊपर उठकर नये- नये रोजगार का द्वार खोल रही है। फादर कामिल बुल्के का उदाहरण देते हुए उन्होंने हिंदी-भाषा की वैभवशाली विरासत को जीवंत रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद ने स्वागत-भाषण से किया। विभागीय छात्रा अंकिता कुमारी ने 'गणेश वंदना' की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात हिंदी विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र' द्वारा विरचित प्रहसन 'अंधेर नगरी' का शानदार मंचन किया गया। रजनीकांत ने तुलसीदास द्वारा रचित अवधी भजन की प्रस्तुति की। रोहित ने बांग्ला गीत 'आमाय प्रोश्न कोरे नील ध्रुवतारा' की प्रस्तुति दी। अमन ने कविता पाठ कर समां बाँधा। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन रक्षिता सिंह ने किया।

श्रीति, प्रभाकरन, रिकी, पूजा, अंजु, पूनम, अंजली, रोहित, अंकिता, वर्षा, रिया, खुशी, सूफी, मेहनूर, कोमल, संध्या, सपना, अन्नपूर्णा, संदीप, तन्नू, मुस्कान, रेहानुल, छवि, फलक, भावना, रौशनी, शिवानी और कार्यक्रम में प्रो. इन चार्ज - प्रो. अमरजीत सिंह(भूदा कैंपस), प्रो. दीपक कुमार, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. साधना,प्रो. डॉ. वर्षा सिंह, प्रो. पीयूष,प्रो. सरिता मधेसिया, प्रो. करुणा, प्रो. किरण, प्रो. एकता श्रीवास्तव, प्रो. ब्यूटी भट्टाचार्य, प्रो.विशेश्वरी, सुश्री मनीषा, सुश्री नुश्रत, श्री मुकेश महतो,आदि उपस्थिति थे।

सदनाम जी एवं संजय कुमार सिंह, ... रणधीर कुमार, उमेश कुमार द्वारा पर्यावरण के लिए जीवनशैली की आवश्यकता विषय पर जानकारी दी गई।

सेंट जेवियर्स स्कूल में चरित्र निर्माण में हिंदी की भूमिका' विषय पर हुई संगोष्ठी

धनबाद |जीजीसीईटी सेंट जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी दिवस पर 'विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में हिंदी की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी हुई। इस दौरान हिंदी के संरक्षण और संवर्धन से लेकर वैश्विक मंचों पर हिंदी की स्थिति व प्रगति पर शिक्षकों ने अपने विचार रखे। चरित्र निर्माण में हिंदी की भूमिका को बताते हुए विभिन्न प्रेरणादायी संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सत्यम राय ने किया। मौके पर विद्यालय के संयुक्त निदेशक अनुप सिंह, उप प्राचार्य कृष्णा विश्वास, शिक्षिका झुंपा सिंह, चांदनी त्रिगुणायत, विनय श्रीवास्तव, एमके झा, रंजन कुमार, मृत्युंजय झा, रेखा साहा, इवा सिंह, आभा सिन्हा आदि मौजूद थीं।

हिंदी साहित्य दिवस पर सांसद पीएन

दो दिवसीय पुस्तक मेला

(29 एवं 30 सितंबर2023)

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के द्वारा आयोजित दो दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारंभ आज 29 सितंबर 2023 को अपराह्न 10 बजे सबद-प्रस्तुति और दीप प्रज्वलन से हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय,धनबाद कुलपति शुकदेव भोई की महती उपस्थिति रही। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद द्वारा माननीय कुलपति महोदय को पुष्पगुच्छ, फुलकारी शॉल एवं नवांकुरित पौधा प्रदान कर सम्मान किया गया।

उन्होंने अपने सम्बोधन में पुस्तक मेला के आयोजन को सार्थक एवं प्रासंगिक बताया पुस्तकों के बगैर हमारा शिक्षण तंत्र पंगु है। मनुष्य की पहली सार्थक मित्र पुस्तक होती है। उन्होंने रामायण, महाभारत, गीता आदि का हवाला देते हुए पुस्तकों की महत्ता को प्रतिपादित किया।

कार्यक्रम के दरम्यान में विश्वविद्यालय से पधारे डी.एस.डब्ल्यू प्रोफेसर एस.के सिन्हा, नामांकन सेल की चेयरपर्सन प्रोफेसर नवीता गुप्ता, आई.आई.टी आई.एस.एम के भूतपूर्व प्रोफेसर प्रमोद पाठक को भी प्राचार्य द्वारा पुष्पगुच्छ कुछ एवं नवांकुरित पौधा प्रदान कर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम के दरम्यान इस्कॉन से पधारे श्री प्रेम प्रभु जी और सुनीता मंडल जी को भी पुष्पगुच्छ, नवांकुरित पौधा एवं फुलकारी शॉल से सम्मानित किया गया।
महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संजय प्रसाद ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा पुस्तक मेले के सार्थकता को सिद्ध करते हुए पुस्तकों को ज्ञान का सरोवर कहा इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को एक वर्ष भर में लगभग पचास पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करना चाहिए।
महाविद्यालय की अध्यक्ष सरदार आर.एस चहल अपने संबोधन में पुस्तकों को छात्र-छात्राओं का सहचारी बताया। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह निर्णय लेना आवश्यक है कि उसे क्या पढ़ना चाहिए। आगंतुक सुधिजनों द्वारा आई.सी.एस.एस.आर एवं गुरु नानक कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार से प्राप्त शोध आलेखों को पुस्तक में रूपांतरित कर इस विशेष दिन पर इसका विमोचन किया गया । इस दो दिवसीय मेले के प्रथम दिन 500 पाँच सौ से अधिक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों एवं अन्य अतिथियों ने भ्रमण किया एवं उपलब्ध पुस्तकों का लाभ उठाया । विदित हो की इस मेले में देश के पाँच लोकप्रिय प्रकाशन आमंत्रित हैं:-
यूनिवर्सिटी प्रशासन,एस.जी.पी.डी प्रकाशन, कल्याणी प्रकाशन, भारती भवन प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, पीयरसन प्रकाशन और एस चंद प्रकाशन आदि।

द्वितीय सत्र

कॉलेज के क्रिएटिविटी डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत क्लासिकल नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति की।
कॉलेज के अकादमीक विभागों में कॉमर्स,अंग्रेज़ी, राजनीतिक विज्ञान एवं इतिहास विभागों के विद्यार्थियों ने पूरे दिन में नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ और अमृता प्रियतम की कविता 'मैं तेनु फिर मिलेंगे' को पांच भाषाओं में अद्भुत प्रस्तुति दी। ऐसी ही कई गतिविधियों का मंचन कर मेले को रोचक एवं गतिशील बनाये रखने का काम किया।

कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र का मंच संचालन डॉ. वर्षा सिंह के द्वारा एवं द्वितीय सत्र का मंच संचालन किरण और शाश्वत ने किया।

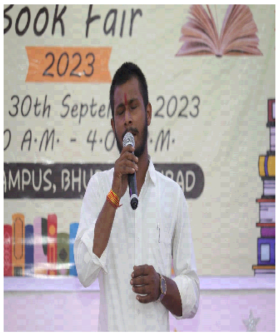

भजन, नृत्य व नाटक से किया मंत्रमुग्ध

जासं, धनबाद : गुरुनानक कालेज के भूदा कैंपस में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी विभाग की छात्रा अंकिता की गणेश वंदना प्रस्तुति से हुई। प्राचार्य डा. संजय प्रसाद ने कहा कि हिंदी अब वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

रजनीकांत ने तुलसीदास रचित अवधी भजन प्रस्तुत किया। रोहित ने बांग्ला गीत तो अमन ने कविताओं से वाहवाही लूटी। छात्र छात्राओं के समूह ने भारतेंदु हरिशचंद्र के प्रहसन अंधेर नगरी का मंचन कर तालियां बटोरी। प्रो. सोनू प्रसाद, रक्षिता सिंह, श्रीति, रिंकी, पूजा व छात्र-छात्राएं थीं।

गुरु नानक कॉलेज,

धनबाद हिंदी- विभाग के द्वारा शिक्षक-अभिभावक मिलन कार्यक्रम का आयोजन।

आज दिनांक 03 सितंबर 2023 (रविवार) को गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के हिंदी- विभाग द्वारा कॉलेज के भूदा कैंपस के रुसा सेमिनार कक्ष में शिक्षक-अभिभावक मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग में अध्ययनरत पचास की संख्या में छात्रों एवं उनके अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रो.संजय प्रसाद ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति के साथ ही कॉलेज लाइब्रेरी , एन.एस.एस, एन.सी.सी, स्पोर्ट्स एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय

सहभागिता को आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बताया। इस कार्यक्रम में सम्मिलित अभिभावकों एवं छात्रों ने विभाग द्वारा उपलब्ध फीडबैक प्रपत्र पर शैक्षणिक एवं छात्र हित संबंधित सुझाव दर्ज किए। विभागाध्यक्ष सोनू प्रसाद यादव ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अपने संबोधन में विभाग के द्वारा शैक्षणिक एवं अन्य क्रियाकलापों से संबंधित विषयों पर नीतिगत जानकारी दी। समारोह में उपस्थित अभिभावक की ओर से विभाग के द्वारा किए गए, इस कार्यक्रम को सराहा गया।

सिमरन श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के बैंक मोड़ शाखा की प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. प्रो. रंजना दास तथा प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. अमरजीत सिंह (भूदा कैंपस), प्रो.दीपक कुमार, प्रो.दलजीत सिंह, प्रो. सरिता मधेसिया,प्रो.अभिषेक सिन्हा,प्रो. करुणा सिंह उपस्थित रहीं तथा अन्य विभाग के शिक्षकगण एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।